

Demand for quicker and long-term strategy for solving Drinking Water Problem in Uttaranchal

श्री हरीश रावत (उत्तरांचल) : महोदया, उत्तरांचल राज्य के अधिकांश भागों में पेयजल संकट की स्थिति पैदा होती जा रही है। वर्षों पहले जो पेयजल योजनाएँ निर्मित हुई थीं, जल स्रोतों के सूखने या योजनाओं के तकनीकी रूप से क्षतिग्रस्त होने के कारण पेयजल संकट और गहरा होता जा रहा है। राज्य सरकार अपने सीमित संसाधनों से इस स्थिति का मुकाबला करने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार के प्रयासों में केन्द्र सरकार से उदार सहायता अपेक्षित है। राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार के पास विभिन्न योजनाओं के तहत पेयजल योजनाओं के कई प्रस्ताव भेजे हैं जिनमें अतिरिक्त हैंड-पम्पों को लगाए जाने का प्रस्ताव भी सम्मिलित है। केन्द्र सरकार को चाहिए कि राज्य सरकार के परामर्श से इस क्षेत्र में पेयजल समस्या के समाधान के लिए त्वरित व दीर्घकालीन दोनों प्रकार के कार्यक्रम तैयार करे।

हिमाचल का यह क्षेत्र कई महत्वपूर्ण नदियों का उद्गम स्थल है। यहां की हिमानी नदियाँ उत्तरी भारत की जीवन रेखाएँ हैं। हिमालय के इस क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों से जलवायु में आ रहे परिवर्तनों के फलस्वरूप धीरे धीरे ग्लेशियर घट रहे हैं और प्रति वर्ष हिमपात और वर्षा का औसत भी घट रहा है। इसका एक बड़ा कारण उत्तरांचल और उसकी तलहटी में पेड़ कटान और आग से जंगलों को पहुँच रहा नुकसान भी है। आबादी के बढ़ते दबाव के कारण वनों का कटाव रोकना राज्य सरकार के लिए कठिन हो रहा है। विकास और आबादी के दबाव को कम करने के लिए इस क्षेत्र के लिए विशेष प्रकार की विकास की रणनीति बनाना समय की आवश्यकता है। राज्य सरकार के लिए अपने संसाधनों से ऐसी कोई रणनीति बनाना संभव नहीं है अतः केन्द्र सरकार यहां की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवश्यक धन दे और आवश्यक मदद करे। धन्यवाद।

THE DEPUTY CHAIRMAN : We will now have the reply on the discussion on the working of the Ministry of Agriculture. Shri Ajit Singh.

DISCUSSION ON THE WORKING OF THE MINISTRY OF AGRICULTURE

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI AJIT SINGH) : Madam Deputy Chairperson, yesterday this House discussed for over four hours the working of the Ministry of Agriculture. Many Members highlighted the problems being faced by farmers very eloquently, with logic, with feelings, and some hon. Members also gave very good suggestions. As is usual, when you discuss agriculture, when you discuss the plight of farmers...

श्री खान गुफ़रान जाहिदी (उत्तर प्रदेश) : मंत्री जी किसानों की जुबान में बोले।